एवियन इन्फ्लूएंज़ा संकट से निपटने की तैयारी

चर्चा में क्यों?

पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी मंत्रालय तथा [विश्व बैंक](https://www.drishtiias.com) ने हाल ही में राष्ट्रीय तथा विश्व स्तर पर सामने आए [एवियन इन्फ्लूएंज़ा](https://www.drishtiias.com) या [बर्ड फ्लू](https://www.drishtiias.com) के मामलों के मद्देनजर तैयारी में सुधार लाने के लिये मध्य प्रदेश में दो दिवसीय अनुकरण अभ्यास का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित इस अभ्यास में विभिन्न क्षेत्रों के 40 प्रतिभागियों ने **महामारी की पहचान, त्वरित प्रतिक्रिया विधियों और एवियन फ्लू के प्रसार से निपटने के लिये अंतर-एजेंसी सहयोग का अभ्यास किया।**
- यह **अभ्यास केरल में एवियन फ्लू के प्रकोप** तथा **मवेशियों जैसी गैर-पोल्ट्री प्रजातियों को प्रभावित करने वाले** वैश्विक स्तर पर बढ़ते मामलों के प्रतिक्रिया स्वरूप **आयोजित किया गया** था।
- कार्यक्रम में संकट प्रबंधन अनुभव प्रदान करने के लिये **वास्तविक प्रकोप स्थितियों की नकल करते हुए संवादात्मक परिदृश्य** शामिल थे
- इस अनुकरण का नेतृत्व **विश्व बैंक के वरिष्ठ कृषि अर्थशास्त्री हिकुएपी काटजविवीरा** और [विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन](https://www.drishtiias.com) **के विशेषज्ञ फ्रैंक वोंग ने किया,** जिसका लक्ष्य पशु तथा मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव को कम करना था।

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन

- यह विश्व में पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हेतु उत्तरदायी एक **अंतर-सरकारी संगठन** है।
- वर्ष 2018 में कुल **182 देश इसके सदस्य** थे। **भारत इसके सदस्य देशों में से एक है।**
- यह नियमों से संबंधित **मानक दस्तावेज़ विकसित** करता है जिसका उपयोग सदस्य देश बीमारियों और रोगाणुओं के प्रवेश से खुद को बचाने के लिये कर सकते हैं। उनमें से एक स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता है।
- इसे [विश्व व्यापार संगठन (WTO)](https://www.drishtiias.com) द्वारा संदर्भित संगठन (Reference Organisation) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसका मुख्यालय **पेरिस, फ्राँस** में है।

एवियन इन्फ्लूएंज़ा

- **परिचय:**
  - एवियन इन्फ्लूएंज़ा, **जिसे प्रायः बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाता है,** एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से **पक्षियों,** विशेषकर **जंगली पक्षियों और घरेलू मुर्गियों** को प्रभावित करता है।
  - वर्ष 1996 में अत्यधिक **रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंज़ा** [H5N1 वायरस](https://www.drishtiias.com) सर्वप्रथम दक्षिणी चीन में घरेलू जलपक्षियों में पाया गया था
  - इस वायरस का नाम [A/goose/Guangdong/1/1996](https://www.drishtiias.com) रखा गया है।
- **मनुष्यों में संचरण और संबंधित लक्षण:**
  - **H5N1** एवियन इन्फ्लूएंज़ा के मानव मामले कभी-कभी होते हैं, लेकिन संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलाना मुश्किल होता है। [विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)](https://www.drishtiias.com) के अनुसार, जब लोग इससे संक्रमित होते हैं तो **मृत्यु दर लगभग 60% होती है।**
  - यह **बुखार, खाँसी** और **मांसपेशियों में दर्द** सहित **हल्के फ्लू जैसे लक्षणों** से लेकर [निमोनिया](https://www.drishtiias.com)**, साँस लेने में कठिनाई जैसी गंभीर श्वसन समस्याओं** तथा यहाँ तक कि कुप्रभावित मानसिक स्थिति एवं दौरे जैसी संज्ञानात्मक समस्याओं तक विस्तृत हो सकता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/avian-influenza-crisis-drill